Annual Report

2018-19

SRISHTI International

H.O.: Suryavansham, Road No.- 04, Adarsh Colony, Nayachak, New Bypass, Patna - 16

About us:-

Established in 2001

SRISHTI INTERNATIONAL is a non-government, non-political, not for profit, secular organization, registered under the Societies Registration Act (1860) and the Foreign Contribution (Regulation) Act. It is supported by the Departments of: Health, Labour Resources, SC & ST Welfare, PHED, Education and Planning & Development of the Government of Bihar. The organization is receiving funds from these government departments apart from other funding agencies for its programs cantered around up liftmen of downtrodden communities. Its main objective is to improve the living conditions of rural and urban people by developing the health status; arrest the distress migration; improve the socioeconomic status of rural and urban people and strive for their overall development. The primary focus of SRISHTI INTERNATIONAL is on the problems of the poor in their struggle to obtain a life of justice and dignity. Reduce the number of malnourished children, Skill Development, Elimination of AIDS from the society, Elimination of Child labour system, Education to the deprived, Sanitation Campaign and Empowerment of the community through various means are the most important components of our mission. SRISHTI INTERNATIONAL's objective is to create value-based communities of dignified and informed citizens comprising the erstwhile marginalized and the oppressed from the perennially unresponsive regions in place with pride.

Registration Details: -

- Registration No. - 580 dated 8/10/2002
- FCRA No. - 031170423
- PAN. - AAETS9624C
- GSTN. - 10AAETS9624C3ZQ
- EPF No. - BRPAT1561858000
- ESI No. - 42001583050001001
- NITIAYOG Regn. No. - BR/2017/0167031
- 12A No. - 51/2006-07

We bank with: -

1) ICICI Bank

Account No. - 334201000303

New Bypass Branch, Patna - 800020

IFSC: ICIC0003342

2) Punjab National Bank

Account No. - 9893000100002527

Manoharpur Kachhuara, Nayachak, NH 30, Patna – 800016

IFSC: PUNB0989300

3) Union Bank of India

Account No. - 300201010036307

Abhay Bhawan, Main Branch, Fraser Road, Patna, Bihar, India.

IFSC: UBIN0530036

4) State Bank of India

Account No. - 30217491035

Judges Court Road, Ashok Rajpath, Patna, Bihar, India.

IFSC: SBIN0001233

5) Indian Overseas Bank

Account No. - 148401000011246

Shaboo Complex, Exhibition Road Branch, Patna –800001

IFSC: IOBA0001484

6) Canara Bank

Account No. -3693101001322

Nayachak, New Bypass, Patna -800016

IFSC: CNRB0003693

7) Canara Bank

Account No. - 3693201000150

Nayachak, New Bypass, Patna -800016

IFSC: CNRB0003693 (FCRA ACCOUNT)

8) Indian Overseas Bank

Account No. - 148402000005196

Shaboo Complex, Exhibition Road,Patna – 800001

IFSC: IOBA0001484

"Our Mission is to work/act as an 'agent of change' to help the poorest of the poor access and actualize their rights as enshrined in the Constitution of India"

Executive committee and Membership Profile: -

Governing body of SRISHTI INTERNATIONAL consists of seven active and highly experienced and qualified social development professionals with three male and four female members. Three governing body members are full time active working executives of the organization. Governing body members are having 7 to 16 years experience in the development field with local and national exposures. All seven members are having hand in experience in working with government / donor organizations. The geographical experiences of these members are mainly in India.

Our Annual Turnover (in Rupees) in this financial Year (2018-19) is Rs. 1,40,21,610.00

हमारे कार्य एवं उपलब्धियां

A. विमुक्त बाल श्रमिकों हेतु आवासीय विशेष प्रशिक्षण केंद्र:-

श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा आमंत्रित RFP के द्वारा अनेकों संस्थाओं की प्रतिस्पर्धा में से बांका जिले में बाल श्रमिकों के पुनर्वास हेतु आवासीय प्रशिक्षण केंद्रके संचालन के लिए सृष्टि इंटरनेशनल के चयनोपरांत उक्त केंद्र का उद्घाटन दिनांक 24-10-2018 को उच्च पदाधिकारियों, समाज के सम्मानित व्यक्तियों तथा लाभुकों की उपस्थिति में करते हुए इसका संचालन निहित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु किया गया।

बांका जागरण

बिहार का पहला एसआरटीसी खुला

बाल श्रम के दलदल से निकले बच्चों का होगा शैक्षिक व कौशल विकास : श्रम उपायुक्त

100 बच्चों के रहने की है व्यवस्था

पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन

बिहार राज्य सहकारी बैंक लि.
The Bihar State Co-operative Bank Ltd.
ASHOK RAJPATH, PATNA-800 004

विमुक्त बाल श्रमिकों को ले आवासीय केन्द्र शुरू

बिहार राज्य श्रम संसाधन विभाग के साथ जुड़कर हमने बाल श्रम से विमुक्त विशेष आवासीय प्रशिक्षण केंद्र का गठन बांका जिले मे किया। बिहार राज्य श्रम संसाधन विभाग के कार्यादेश में उल्लेखित शर्तों के अनुरूप हमारी संस्था बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु उन्हें आवासीय संरक्षण प्रदान करते हुए प्रशिक्षित तथा उन्हें मुख्यधारा में लाने का प्रयत्न कररही है। यह परियोजना श्रम संसाधन विभाग के निर्देशानुसार तथा उनके निरीक्षण में चलाई जा रही है। हमने कुल 100 विमुक्त बाल श्रमिकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है और हम इस लक्ष्य को पूरा करने मैं अग्रसर है । हमने उक्त श्रेणी के बच्चों को अपने प्रशिक्षण केंद्र में पंजीकृत कर प्रशिक्षण प्रदान करना प्रारंभ कर दिया है। कुछ रिक्त स्थानों को भी यथाशीघ्र भर लिया जाएगा ।

इस परियोजना को हमारी संस्था एक चुनौती के रूप में लेते हुए कार्य कर रही है। हमें उन बच्चों को प्रशिक्षित करना पड़ रहा है जो बच्चे मुख्यधारा से कहीं दूर जा चुके थे, हमें उन्हें समाज में एक सभ्य नागरिक बनाने का अवसर मिला है । हमारी संस्था इस लक्ष्य को अच्छी तरह से पूरा करने के लिए अथक परिश्रम कर रही है । बाल श्रम से विमुक्त हुए बच्चों ने अपना बचपन तो श्रम करने में बर्बाद कर ही दिया है परंतु उनकी किशोरावस्था में उनके सपनों को जीवंत बनाने का लक्ष्य हमने रखा है। वे अपना बचपन नहीं जी पा रहे थे, उन्हें केवल समाज से प्रताड़ना ही मिल रही थी ।

जीवन में मुख्य क्या है इसका बोध उन्हें नहीं है। उनकी बात जब हमारे संस्था के काउंसलर से हुई तो वे उन बच्चों को अभास हुआ कि जीवन में ज्ञान का क्या महत्व है, तथा बचपन कितना महत्वपूर्ण है । काउंसलर ने बताया कि जीवन अच्छे से जीने के लिए उन्हें सुयोग्य बनना होगा तथा उन्हें अध्ययन करना होगा । हमारे केंद्र पर आए हुए उक्त बच्चों ने अपने अब तक के जीवन काल में कभी भी पढ़ाई नही की थी और ना ही उन्हें पढ़ना आता था । हमारे सेतु शिक्षकों की मेहनत के पश्चात आज हमारे केंद्र में उपस्थित सभी के सभी बच्चे साक्षर बन चुके हैं ।

संस्था द्वारा नियुक्त काउंसलर ने सभी बच्चों की काउंसलिंग करने के पश्चात यह बताया कि सभी बच्चों में कुछ ना कुछ विशेष योग्यता मौजूद है, हमें केवल उन्हें निखारना करना है। इस दिशा में हमारी संस्था ने कार्य किया तथा जो बच्चे कभी भी कलम को हाथ नहीं लगाए थे उनके द्वारा बनाई गई कलाकृतियों को प्रदर्शनी में पहला पुरस्कार मिला। आप स्वयं भी इसका अवलोकन करें।

जीवन जीने की कला से वाकिफ हो रहे एसटीसी के बच्चे

जागरण संवाददाता, बांका: श्रम विभाग की पहल पर हाल ही में शहर के वीर कुंवर सिंह मैदान के करीब बिहार का पहला विशेष आवासीय प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) खोला गया है। जिसका संचालन पटना की संस्था सृष्टी इंटरनेशल कर रही है। जहां धावा दल द्वारा बाल मजदूरी के दलदल से निकाले गए 30 बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्कूल पूर्व शिक्षा दी जा रही है। अब यहां के बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के लिए उन्हें जीवन जीने की कला सिखाई जा रही है। इसके लिए श्रम विभाग की ओर से यश कार्यक्रम के तहत आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के राज्य समन्वयक गणेश कुमार सुल्तानियां यहां चार दिनों तक कैंप करेंगे। जिसकी शुरुआत सोमवार से कर दी गई है। वे यहां के बच्चों को विश्व प्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया, सरल प्राणायाम, योग व ध्यान का अभ्यास करा रहे हैं। राज्य समन्वयक ने बताया कि इससे बच्चों की एकाग्रता, आत्मविश्वास व याददाश्त बढ़ने के साथ ही उसका बौद्धिक व शारीरिक विकास भी होगा। जिससे वे कम समय में ही शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ कर खुद को सामान्य बच्चों की श्रेणी में खड़ा कर सकेंगे।

इस परियोजना से जुड़े सभी सहयोगीयो के अथक प्रयास से हमारी संस्था इस लक्ष्य को जल्द से जल्द पूर्ण करेगी।

हमारी संस्था द्वारा समय-समय पर बच्चों के मानसिक तथा शारीरिक विकास हेतु उनके अंदर आत्मविश्वास जगाने हेतु विशेष प्रशिक्षण प्रदान करती है।

योग प्रशिक्षण(दाएं) प्रार्थना सभा(बाएं)

केंद्र पर आयोजित सरस्वती पूजा समारोह मे सम्मिलित विद्यार्थी तथा प्रशिक्षकगण।

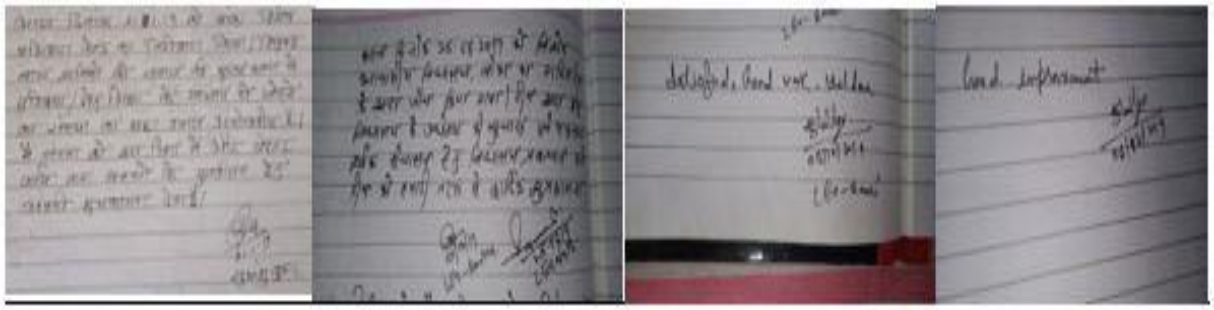

<u>श्रम संसाधन विभाग, बिहार तथा बिहार सरकार के पदाधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण के उपरांत दी गई टिप्पणियां।</u>

केंद्र पर कार्यरत कर्मचारी की विवरण को सारणीबद्ध रूप में नीचे दिया गया है, जिनका चयन संस्था के नियमानुसार किया गया है।

Details of Employees in Special Training Centre, Banka

Sl. NO.	1	2	3	4	5	6	7
NAME OF THE VOLONTEER	GAURAV KUMAR	RAHUL KUMAR	MRITYUNJAY PRASAD	SANJAY KUMAR THAKUR	KAUSHAL KISHOR MANDAL	MD.AZIZ	SUNITA KUMARI
DATE OF JOINING	24.10.2018	30-05-2019	23-11-2018	24-10-2018	24-10-2018	05-11-2018	25-05-2019
DESIGNATION	COORDINATOR CUM COUNCILOR	SOCIAL WORKER	SOCIAL WORKER	BRIDGE TEACHER	BRIDGE TEACHER	BRIDGE TEACHER	BRIDGE TEACHER
QUALIFICATION	Graduated	Graduated	Graduated	Graduated	Graduated	Intermidiate	Graduated
UID(ADHAR)	957402955052	407434618223	916679505793	746210257325	343151689147	832054731066	458808079728
STATUS OF POLICE VERIFICATION	VERIFIED	UNDER PROCESS	VERIFIED	VERIFIED	VERIFIED	UNDER PROCESS	UNDER PROCESS
ADDRESS OF THE STAFF	Village+PO - Jethore Jamua (Bishanpur) district-Banka,	P.C.Colony, Kankarbagh Patna-20	Village- karahariya, PO+PS+ District - Banka.	Village+P.O.- Bharako, P.S.- Amarpur, district-Banka,	Village- Porain, PO- badhauna, PS- bausee, District -Banka.	Ward no.-14, PO.+PS.+ District-Banka.	Vijay Bhavan, Ward no.-16, PO.+PS.-Banka.
YEAR OF EXPERIENCE	5years	5Years	3Years	3years	3years	3years	2years

14	13	12	11	10	9	8	Sl. NO.
BUDHANI DEVI	CHANDA DEVI	JULI DEVI	ARCHANA DEVI	BABITA DEVI	Rajesh Mandal	GAURI KUMARI	**NAME OF THE STAFF**
26-10-2018	05-09-2019	24-10-2018	24-10-2018	24-10-2018	25.07.2019	24.10.2018	**DATE OF JOINING**
SWEEPER	SWEEPER	COOK	COOK	COOK	BRIDGE TEACHER	BRIDGE TEACHER	**DESIGNATION**
NA-	NA-	Xth Pass	Viii Pass	Viii Pass	Graduated	Post Graduated	**QUALIFICATION**
695888844807	337475724092	413729666641	302782900792	871630083951	549614486911	825867422340	**UID(ADHAR)**
VERIFIED	UNDER PROCESS	VERIFIED	VERIFIED	VERIFIED	UNDER PROCESS	UNDER PROCESS	**STATUS OF POLICE VERIFICATION**
Katahariya margh ,PO+PS-Banka.	Near GandhiChowk, PO.+PS.+ District-Banka.	Village-karhariya, Ward No.-7, Santinagar, Post+Thana+District- Banka.	Village-Uttari vikrampur, Thana-Amarpur, District- Banka.	D/O Lt. Sahadev Mandal, Village-Katiya, P.S-Rajauna, District-Banka.	Hanuman Mandir,Rani Talab Post Fathepur, District - Bhagalpur.	Ward No.-10, Santinagar, Post+Thana+District- Banka.	**ADDRESS OF THE STAFF**
3years	3years	2years	2years	2years	2years	2years	**YEAR OF EXPERIENCE**

B. <u>पोषण पुनर्वास केंद्र (भोजपुर)</u>

हमारी संस्था द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा घोषित एवं राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा संपोषित एक प्रभावी एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत पोषण पुनर्वास केंद्र (भोजपुर) की स्थापना एवं संचालन का कार्य में राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार से प्राप्त दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन के आधार पर विगत 6 वर्षों से अनवरत रूप से किया जा रहा है। उक्त केंद्र की स्थापना 1 अप्रैल 2011 में की गई थी।

इस प्रोजेक्ट को संचालित करने में भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य यह है कि भारत में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (SAM Children)की मृत्यु दर में निरंतर कमी को लाई जा सकती है और बच्चों की माताओं /अभिभावकों में स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के क्षेत्र / सम्बंध में प्रशिक्षित होने के उपरांत उनके क्षमता में विकास हो तथा वे भविष्य में होने वाले अपने बच्चों एवं परिवार व अन्य बच्चों का उचित देखभाल कर सकेगी तथा पास पड़ोस/ समाज के अन्य परिवार के बच्चों का भी उचित देखभाल करने हेतु मार्गदर्शन देने में सक्षम होगी।

इस कार्यक्रम के तहत 5 वर्ष तक के ऐसे बच्चों को चिन्हित किया जाता है जिनमें गंभीर रूप से कुपोषण के साथ चिकित्सीय जटिलता भी पायी जाती है। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (SAM Children) माताओं को उनके बच्चों के साथ पोषण पुनर्वास केंद्र में रखकर उनका पोषण , स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के सम्बंध में उचित उपचार एवं शिक्षा प्रदान की जाती है गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (Servere Acute Malnourished with medical Complication)को केंद्र में भर्ती करने के मानक के अनुसार भर्ती किया जाता है।

भर्ती करने के उपरांत केंद्र में कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा आवश्यकतानुसार बच्चों का पैथोलॉजिकल टेस्ट कराया जाता है। जांचोपरांत अगर बच्चा गंभीर रोग से ग्रस्त नहीं है तो उसका WHO के मानक के अनुसार पोषाहार देना शुरू कर दिया जाता है। एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित फॉर्मूला के अनुसार पोषण दिया जाता है। केंद्र में कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ के निर्देशानुसार आवश्यकता होने पर मेन्यू में बदलाव भी किया जाता है।

बच्चों की माताओं अभिभावकों को भी पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के साथ रहकर उनके भोजन एवं अन्य सुविधा उपलब्ध कराई जाती है साथ ही साथ स्वास्थ्य ,पोषण एवं स्वच्छता (Health Nutrition & Hygiene) के सम्बंध मे कार्यरत Feeding Demonstrator के द्वारा प्रशिक्षित भी किया जाता है, ताकि इस केंद्र से निर्धारित मानक के अनुसार ठीक होकर बच्चों को घर जाने के उपरांत अपने बच्चों का सही रूप से पोषाहार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर ज्यादा ध्यान दे सकें। परंतु जांच में यदि कोई बच्चा गंभीर रूप से ग्रस्त पाया जाता है तो उसे दूसरे चिकित्सा केंद्र में Refer किया जाता है।गंभीर रोग से मुक्त होने के उपरांत ही उस बच्चे को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती किया

जाता है और कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ के निर्देशानुसार उसके कुपोषण का उपचार प्रारंभ कर दिया जाता है।

केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों की माताओं को संस्था में कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ, नर्स एवं फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर द्वारा सरकारी मार्गदर्शिका में वर्णित विषयों पर Counselling की जाती। राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा समय-समय पर पोषण पुनर्वास केंद्र में कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ, नर्स एवं फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर को राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा चयनित प्रशिक्षकों द्वारा कार्य स्तर में वृद्धि हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों को चलाया जाता है।

इस कार्यक्रम के तहत बच्चों एवं माताओं को घर से पोषण पुनर्वास केंद्र तक लाने हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ता /आशा या माताओं को राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार द्वारा निर्धारित राशि एवं केंद्र से छुट्टी के उपरांत पुनः घर भेजने हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं /आशा या माताओं को राज्य स्वास्थ समिति, बिहार द्वारा निर्धारित राशि छुट्टी के उपरांत हमारी संस्था द्वारा भुगतान किया जाता है।

माताओं को केंद्र में भर्ती बच्चों के साथ रहने के कारण हुई आर्थिक क्षति की भरपाई राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार द्वारा निर्धारित राशि प्रति दिन के दर से माताओं को केंद्र से छूट्टी के समय हमारी संस्था के द्वारा भुगतान किया जाता है। इस कार्यक्रम में अतिकुपोषित बच्चों को केंद्र में भर्ती हेतु प्रेरित करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता /आशा को भी निर्धारित प्रोत्साहन राशि प्रति बच्चे की दर से हमारी संस्था द्वारा भुगतान किया जाता है।

हमारी संस्था को इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संचालित करने के लिए खर्च किए गए राशि का भुगतान संबंधित जिला स्वास्थ्य समिति में समर्पित विपत्रों केआधार पर प्राप्त होता है।

31 मार्च 2019 तक एनआरसी भोजपुर में कर्मचारी का विवरण: -

Sl.No.	Designation	Name
1	Pediatrician	1. Dr. Shashikant 2. Dr. Arun Kumar
2	Staff Nurse	1. Mamta Verma 2. Sweety Kumari 3. Anita Devi 4. Nirmla Kumari 5. Sobha Kumari 6. Nahid Anjum 7. Khushboo Kumari 8. Rimmi Kumari
3	CBC-Extender	1. Animesh Kumar
4	Feeding Demonstrator	1. Runti Kumari 2. Rekha Kumari
5	Cook Cum Caretaker	1. Malti Devi 2. Salma Khatoon
6	Attendent	1. Mausam Kumari 2. Asha Kuwar
7	Cleaner	1. Kavita Devi 2. Pinki Devi

इस कार्यक्रम का राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा निरंतर प्रक्रिया के तहत् सफल संचालन हेतु पोषण पुनर्वास केंद्र के लिए भारत सरकार से समय-समय पर दिये गये निर्देश दिशा-निर्देश के आधार पर और राज्य स्तर से प्रेषित मार्गदर्शन के आधार पर हमारी संस्था द्वारा पोषण पुनर्वास केंद्र ,भोजपुर के आंकड़ों का संग्रहण कर राज्य स्वास्थ्य समिति को प्रतिवेदित किया जाता रहा है। इस योजना के सफल संचालन हेतु सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला योजना समन्वयक/नोडल पदाधिकारी, जिला लेखा प्रबंधक और राज्य समिति के द्वारा अधिकृत Technical Support Unit एवं अन्य सामाजिक संगठनों के सदस्यों द्वारा हमारे केंद्र का निरीक्षण/ भ्रमण किया जाता रहा है।

राज्य स्वास्थ्य समिति एवं जिला स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारियों के द्वारा लगातार केंद्र का निरीक्षण किया जाता रहा है। संस्था को हमेशा सराहा ही गया है। हमारी संस्था हमेशा उन लोगों के द्वारा दिये गये सुझावों के अनुरूप अपने कार्य प्रणाली में सुधार लाते हुये पोषण पुनर्वास केंद्र की लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में अग्रसर रहती है। बिहार सरकार के द्वारा कुपोषण की दर को कम करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि वर्ष 2019 तक बिहार में कुपोषण की वर्तमान दर 57 प्रतिशत से घटाकर 30% लाने की दिशा में

प्रयासरत रहना होगा, इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हमारे संस्था भी अपना योगदान देने के लिए दृढ संकल्पित है।

हमारी संस्था के द्वारा इस वित्तीय वर्ष 2018-19 में NRC- BHOJPUR के कुपोषण 283 अति कुपोषित बच्चों (Severe Acute Malnourished with medical complication) का समुचित उपचार किया गया जिस का विवरणी (Break-up) निम्नवत है: -

NRC- BHOJPUR में वर्ष 2018-19 कुल नामांकन 283 थे, जिनमें बच्चों की संख्या 117 तथा बच्चियों की संख्या में 166 थे जिनके MUAC level 9.6 से लेकर 10.6 तक ही था इन बच्चों का NRC के शिशु रोग विशेषज्ञ के साथ पूरी टीम ने कुपोषित बच्चों का सही उपचार करते हुए उन्हें जीवनदान दिया जिनके माता-पिता ने अपने बच्चे के जीवित रहने की आशा लगभग खो दी थी।

ध्यानाकर्षण बिंदु: -

संस्था द्वारा केंद्रों में भर्ती कुपोषित बच्चों की माताओं को उनके स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के स्तर को और अधिक बेहतर बनाने के लिए शिशु रोग विशेषज्ञ, नर्स एवं फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर द्वारा निम्नलिखित विषयों पर Couselling की जाती है।

1. समाज में पीढी दर पीढी चले ओ रहे कुपोषण चक्र एवं महिलाओं तथा बच्चों के पोषण से जुड़ी वर्तमान प्रथाओ को समझाना।
2. MUAC टेप की सहायता से 5 साल तक के गम्भीर और मध्यम रूप से कुपोषित बच्चों की पहचान करना और अलग करना।
3. समुदाय में महिलाओं और बच्चों के निम्न पोषण को बढ़ावा देने वाली समस्याओं की पहचान और उनका प्राथमिकीकरण करना।
4. प्राथमिकीकरण में चुनी गयी समस्याओं के कारण एवं समाधान की पहचान कराना।
5. बाधायें एवं रणनीतियॉ पर चर्चा करना।
6. रणनीतियों को लागू कराने की जिम्मेदारी लेना और सामुदायिक बैठक की तैयारी कराना।
7. रणनीति के कियान्वयन की प्रगति और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य समूहो का मानचित्रण के द्वारा समझाना।
8. शिशुओं की घर पर देखभाल और पूरक आहार देने के रणनीति के बारे में बताना।
9. बच्चों में कुपोषण की रोकथाम के लिये विभिन्न रणनीतियोंपर चर्चा कराना।
10. मताओं में कुपोषण की प्रमुख कारणों को समझना और संभव उपायों द्वारा कुपोषण चक्र को तोड़ना।
11. जन्म के समय कम वजन के बच्चों की देखभाल करने के तरीको के बारे में बताना।
12. नवजात शिशु की जरूरी देखभाल+ भौ''ावावस्था के प्रारंम्भ में पोषण आव''यक्ताओं पर बल देना।
13. परिवार नियोजन साधनों पर चर्चा–विभिन्न साधनों के लाभ और अप्रत्यक्ष प्रभाव तथा सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रम के तहत् विभिन्न साधनों की उपलब्धता के बारे में बताना।
14. अस्वच्छता का अहसास कराना।
15. अस्वच्छता का प्रभाव बताना।

इसके अतिरिक्त केन्द्र में भर्ती कुपोषण के कारण विकलांग बच्चों के विकलांगता को फिजियोथेरेपी के द्वारा ठीक करने का भी प्रयास किया जाता है। इस केंन्द्र से घर लौटे ऐसे बच्चों की विकलांगता दर में कमी पायी गयी है। ऐसे अनेक बच्चें है जिन्होने चलने का प्रयास करना शुरू कर दिया है।

C. <u>पोषण पुनर्वास केंद्र (बांका)</u>

हमारी संस्था द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा घोषित एवं राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा संपोषित एक प्रभावी एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत पोषण पुनर्वास केंद्र (बांका) की स्थापना एवं संचालन का कार्य में राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार से प्राप्त दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन के आधार पर विगत 8 वर्षों से अनवरत रूप से किया जा रहा है।

इस प्रोजेक्ट को संचालित करने में भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य यह है कि भारत में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (SAM Children)की मृत्यु दर में निरंतर कमी को लाई जा सकती है और बच्चों की माताओं /अभिभावकों में स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के क्षेत्र / सम्बंध में प्रशिक्षित होने के उपरांत उनके क्षमता में विकास हो तथा वे भविष्य में होने वाले अपने बच्चों एवं परिवार व अन्य बच्चों का उचित देखभाल कर सकेगी तथा पास पड़ोस/ समाज के अन्य परिवार के बच्चों का भी उचित देखभाल करने हेतु मार्गदर्शन देने में सक्षम होगी।

इस कार्यक्रम के तहत 5 वर्ष तक के ऐसे बच्चों को चिन्हित किया जाता है जिनमें गंभीर रूप से कुपोषण के साथ चिकित्सीय जटिलता भी पायी जाती है। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (SAM Children) माताओं को उनके बच्चों के साथ पोषण पुनर्वास केंद्र में रखकर उनका पोषण , स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के सम्बंध में उचित उपचार एवं शिक्षा प्रदान की जाती है गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (Servere Acute Malnourished with medical Complication)को केंद्र में भर्ती करने के मानक के अनुसार भर्ती किया जाता है।

भर्ती करने के उपरांत केंद्र में कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा आवश्यकतानुसार बच्चों का पैथोलॉजिकल टेस्ट कराया जाता है। जांचोपरांत अगर बच्चा गंभीर रोग से ग्रस्त नहीं है तो उसका WHO के मानक के अनुसार पोषाहार देना शुरू कर दिया जाता है। एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित फॉर्मूला के अनुसार पोषण दिया जाता है। केंद्र में कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ के निर्देशानुसार आवश्यकता होने पर मेन्यू में बदलाव भी किया जाता है।

बच्चों की माताओं अभिभावकों को भी पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के साथ रहकर उनके भोजन एवं अन्य सुविधा उपलब्ध कराई जाती है साथ ही साथ स्वास्थ्य ,पोषण एवं स्वच्छता (Health Nutrition & Hygiene) के सम्बंध मे कार्यरत Feeding Demonstrator के द्वारा प्रशिक्षित भी किया जाता है, ताकि इस केंद्र से निर्धारित मानक के अनुसार ठीक होकर बच्चों को घर जाने के उपरांत अपने बच्चों का सही रूप से पोषाहार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर ज्यादा ध्यान दे सकें। परंतु जांच में यदि कोई बच्चा गंभीर रूप से ग्रस्त पाया जाता है तो उसे दूसरे चिकित्सा केंद्र में Refer किया जाता है। गंभीर रोग से मुक्त होने के उपरांत ही उस बच्चे को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती किया

जाता है और कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ के निर्देशानुसार उसके कुपोषण का उपचार प्रारंभ कर दिया जाता है।

केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों की माताओं को संस्था में कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ, नर्स एवं फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर द्वारा सरकारी मार्गदर्शिका में वर्णित विषयों पर Counselling की जाती। राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा समय-समय पर पोषण पुनर्वास केंद्र में कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ, नर्स एवं फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर को राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा चयनित प्रशिक्षकों द्वारा कार्य स्तर में वृद्धि हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों को चलाया जाता है।

इस कार्यक्रम के तहत बच्चों एवं माताओं को घर से पोषण पुनर्वास केंद्र तक लाने हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ता /आशा या माताओं को राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार द्वारा निर्धारित राशि एवं केंद्र से छुट्टी के उपरांत पुनः घर भेजने हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं /आशा या माताओं को राज्य स्वास्थ समिति, बिहार द्वारा निर्धारित राशि छुट्टी के उपरांत हमारी संस्था द्वारा भुगतान किया जाता है।

माताओं को केंद्र में भर्ती बच्चों के साथ रहने के कारण हुई आर्थिक क्षति की भरपाई राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार द्वारा निर्धारित राशि प्रति दिन के दर से माताओं को केंद्र से छूट्टी के समय हमारी संस्था के द्वारा भुगतान किया जाता है। इस कार्यक्रम में अतिकुपोषित बच्चों को केंद्र में भर्ती हेतु प्रेरित करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता /आशा को भी निर्धारित प्रोत्साहन राशि प्रति बच्चे की दर से हमारी संस्था द्वारा भुगतान किया जाता है।

हमारी संस्था को इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संचालित करने के लिए खर्च किए गए राशि का भुगतान संबंधित जिला स्वास्थ्य समिति में समर्पित विपत्रों के आधार पर प्राप्त होता है।

31 मार्च 2019 तक एनआरसी बांका में कर्मचारी का विवरण: -

Sl.No.	Designation	Name
1	Pediatrician	1. BENI MADHAV GUPTA 2. RAM KUMAR MANDAL
2	Staff Nurse	1. SINDHU KUMARI 2. PINKI KUMARI 3. KHUSHBOO KUMARI 4. SUMAN BHARTI 5. PRIYANKA KUMARI 6. SIMPI KUMARI 7. CHANDA RANI 8. RINKU KUMARI
3	CBC-Extender	1. RAJIV KUMAR SAH
4	Feeding Demonstrator	1. GAURI KUMARI 2. ANMOLA LAXMI
5	Cook Cum Caretaker	1. SANGEETA 2. RUBY KUMARI
6	Attendent	1. CHATURBHUJ YADAV
7	Cleaner	1. BABITA DEVI 2. KALYANI DEVI

इस कार्यक्रम का राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा निरंतर प्रक्रिया के तहत् सफल संचालन हेतु पोषण पुनर्वास केंद्र के लिए भारत सरकार से समय-समय पर दिये गये दिशा-निर्देश के आधार पर और राज्य स्तर से प्रेषित मार्गदर्शन के आधार पर हमारी संस्था द्वारा पोषण पुनर्वास केंद्र , बांका के आंकड़ों का संग्रहण कर राज्य स्वास्थ्य समिति को प्रतिवेदित किया जाता रहा है। इस योजना के सफल संचालन हेतु सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला योजना समन्वयक/नोडल पदाधिकारी, जिला लेखा प्रबंधक और राज्य समिति के द्वारा अधिकृत Technical Support Unit एवं अन्य सामाजिक संगठनों के सदस्यों द्वारा हमारे केंद्र का निरीक्षण/ भ्रमण किया जाता रहा है।

राज्य स्वास्थ्य समिति एवं जिला स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारियों के द्वारा लगातार केंद्र का निरीक्षण किया जाता रहा है। संस्था को हमेशा सराहा ही गया है । हमारी संस्था हमेशा उन लोगों के द्वारा दिये गये सुझावों के अनुरूप अपने कार्य प्रणाली में सुधार लाते हुये पोषण पुनर्वास केंद्र की लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में अग्रसर रहती है । बिहार सरकार के द्वारा कुपोषण की दर को कम करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि वर्ष 2019 तक बिहार में कुपोषण की वर्तमान दर 57 प्रतिशत से घटाकर 30% लाने की दिशा में

प्रयासरत रहना होगा, इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हमारे संस्था भी अपना योगदान देने के लिए दृढ संकल्पित है।

हमारी संस्था के द्वारा इस वित्तीय वर्ष 2018-19 में NRC- Banka के कुपोषण 124 अति कुपोषित बच्चों (Severe Acute Malnourished with medical complication) का समुचित उपचार किया गया जिस का विवरणी (Break-up) निम्नवत है: -

NRC- Banka में वर्ष 2018-19 कुल नामांकन 124 थे, जिनमें बच्चों की संख्या 53 तथा बच्चियों की संख्या में 71 थे जिनके MUAC level 9.6 से लेकर 10.6 तक ही था इन बच्चों का NRC के शिशु रोग विशेषज्ञ के साथ पूरी टीम ने कुपोषित बच्चों का सही उपचार करते हुए उन्हें जीवनदान दिया जिनके माता-पिता ने अपने बच्चे के जीवित रहने की आशा लगभग खो दी थी।

ध्यानाकर्षण बिंदु: -

संस्था द्वारा केंद्रों में भर्ती कुपोषित बच्चों की माताओं को उनके स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के स्तर को और अधिक बेहतर बनाने के लिए शिशु रोग विशेषज्ञ, नर्स एवं फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर द्वारा निम्नलिखित विषयों पर Couselling की जाती है।

1. समाज में पीढी दर पीढी चले ओ रहे कुपोषण चक्र एवं महिलाओं तथा बच्चों के पोषण से जुड़ी वर्तमान प्रथाओ को समझाना।
2. MUAC टेप की सहायता से 5 साल तक के गम्भीर और मध्यम रूप से कुपोषित बच्चों की पहचान करना और अलग करना।
3. समुदाय में महिलाओं और बच्चों के निम्न पोषण को बढ़ावा देने वाली समस्याओं की पहचान और उनका प्राथमिकीकरण करना।
4. प्राथमिकीकरण में चुनी गयी समस्याओं के कारण एवं समाधान की पहचान कराना।
5. बाधायें एवं रणनीतियॉ पर चर्चा करना।
6. रणनीतियों को लागू कराने की जिम्मेदारी लेना और सामुदायिक बैठक की तैयारी कराना।
7. रणनीति के क्रियान्वयन की प्रगति और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य समूहो का मानचित्रण के द्वारा समझाना।
8. शिशुओं की घर पर देखभाल और पूरक आहार देने के रणनीति के बारे में बताना।
9. बच्चों में कुपोषण की रोकथाम के लिये विभिन्न रणनीतियोंपर चर्चा कराना।
10. मताओं में कुपोषण की प्रमुख कारणों को समझना और संभव उपायों द्वारा कुपोषण चक्र को तोड़ना।
11. जन्म के समय कम वजन के बच्चों की देखभाल करने के तरीको के बारे में बताना।
12. नवजात शिशु की जरूरी देखभाल+ भौ''ावावस्था के प्रारंम्भ में पोषण आव''यक्ताओं पर बल देना।
13. परिवार नियोजन साधनों पर चर्चा–विभिन्न साधनों के लाभ और अप्रत्यक्ष प्रभाव तथा सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रम के तहत् विभिन्न साधनों की उपलब्धता के बारे में बताना।
14. अस्वच्छता का अहसास कराना।
15. अस्वच्छता का प्रभाव बताना।

इसके अतिरिक्त केन्द्र में भर्ती कुपोषण के कारण विकलांग बच्चों के विकलांगता को फिजियोथेरेपी के द्वारा ठीक करने का भी प्रयास किया जाता है। इस केंन्द्र से घर लौटे ऐसे बच्चों की विकलांगता दर में कमी पायी गयी है। ऐसे अनेक बच्चें है जिन्होने चलने का प्रयास करना शुरू कर दिया है।

D. कुशल युवा कार्यक्रम(KYP)

बिहार सरकार के द्वारा मुख्यमंत्री सात निशचय के अर्न्तगत वर्ष 2016 में बिहार कौशल विकास मिशन के द्वारा कुशल युवा कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार के सभी जिले के सभी प्रखंडों में कौशल विकास केन्द्रों की स्थापना करने का संकल्प सरकार द्वारा लिया गया। इस संकल्प के आलोक में प्रकाशित रूचि की अभिवयक्ति के द्वारा प्राप्त आवेदनों के आधार पर सृष्टि इंटरननेशनल के कौशल विकास केन्द्र का चयन रोड नं0 4, नयाचक, सम्पतचक मे स्थापित करने हेतू किया गया। कुशल युवा कार्यक्रम एक विशिष्ठ तरह का कार्यक्रम है जिसमें 15 से 30 वर्ष तक के युवक–युवतीयों को आनलाईन प्रशिक्षण दिया जाता है। यह प्रशिक्षण सूचना तकनीक, भाषा संवाद ज्ञान तथा व्यवहार कौशल के क्षेत्र में होता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षुओं का आत्मविशवास कई गुना बढ़ जाता है। जिससे उन्हे नौकरी तलाशने में आसानी होती है।

संस्था के द्वारा 02.01.2017 से 20 प्रशिक्षुओं के साथ पहला बैंच प्रारंभ किया गया था एवम् 31.03.2019 तक कई बैंचों का प्रशिक्षण हो चुका है एवम् तीन बैंच संचालित है। इस प्रशिक्षण के पशचात् कई प्रशिक्षुओं को अच्छे संस्थानों में नौकरी भी प्राप्त हुई है तथा उनके आत्मविशवास के स्तर में अप्रत्याशित वृद्धि हुई हैं।

E. डाटा सेंटर की स्थापना एवं संचालन

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत् चलाऐ जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिये विभिन्न स्तर पर ससमय द्वारा प्रविष्टि का कार्य संपादित कराने के लिये, डाटा सेंटर की स्थापना एवं संचालन के लिये राज्य स्तर पर रूचि की अभिव्यक्ति की मॉग की गयी थी एवं प्राप्त आवेदनों के आधार पर हमारी संस्था को बिहार के पॉच जिलों में नियुक्ति की गयी थी एवं प्राप्त कार्यादेश के आधार पर मुंगेर, लक्खीसराय, बॉका, भागलपुर एवं वैशाली में डाटा प्रविष्टि का कार्य सुचारू रूप से संपादित कराने हेतु डाटा सेंटर की स्थापना एवं संचालन का कार्य करने के लिये चयनित किया गया था।

विगत 5 वर्षों से उक्त सभी पॉचों जिलों में डाटा सेंटर की स्थापना कर संचालन कराने का कार्य प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर सुचारू रूप से किया जा रहा है। जिसकी विवरणी निम्न प्रकार से है। :–

DATA CENTRE EMPLOYEE IN DISTRICT - BANKA

SL. No.	Name of Staff	Post	Posting Place	Contect No.
1	Saurabh Suman	DEO	De-Addiction Centre	7547897595
2	Amresh Kumar	DEO	APHC Kharoundha (PHC-Belhar)	7764923357
3	Nandan Kumar Jha	DEO	APHC Baliamahra	7544911494
4	Pritam Kumar Singh	DEO	Civil Surgen Office	9523312563 9934606098(F)
5	Chitranjan Kumar Singh	DEO	APHC-Golhatti, Bounsi	6207933997
6	Ritesh Kumar	DEO	SNCU - Banka	9708612763
7	Jitendra Kumar	DEO	PHC- Dhoraiya (APHC-Ahiro)	7631968222 8210658641

DATA CENTRE EMPLOYEE IN DISTRICT AAYUSH SOCIETY (BIHAR)

SL. No.	Name of Staff	Post	Posting Place	Contect No.
1	Subodh Kumar Mahto	DEO	Distt .Joint Dispensary,Bhagwanpur,muz-pur	6203955998
2	Komal Kumari	DEO	Distt. Joint Dispensary, Vaishali	6287119593
3	Satyam Kumar	DEO	RBTS Govt. Hospital, Muzaffarpur	9006344722 7296040400
4	Shivam kumar	DEO	RBTS Govt. Hospital, Muzaffarpur	7479655407
5	Ratnesh Kumar	DEO	RBTS Govt. Hospital, Muzaffarpur	7544820552

DATA CENTRE EMPLOYEE IN DISTRICT - BHAGALPUR

SL. No.	Name of Staff	Post	Posting Place	Contect No.
1	Gaurav Kumar	DEO	SNCU JLNMCH Bhagalpur	7632997661 9204579329
2	Vishal Kumar	DEO	Emergency JLNMCH Bhagalpur	8804192545

3	Dhananjay Kumar	DEO	Emergency JLNMCH Bhagalpur	7050566561 7488572374
4	Pramod Kumar	DEO	Emergency JLNMCH Bhagalpur	6205032937 9304184916
5	Deepak Prasad Roy	DEO	RKS JLNMCH Bhagalpur	8271193447 7717724174
6	Pankaj Kumar	DEO	PHC Sanhoula	7319915676 7122062413
7	Priyanshu Prashant	DEO	APHC - Bairia,Natahnagar	7282013420
8	Vikash Kumar Singh	DEO	APHC-Akbarpur, Kahalgaon	9102833575
9	Md. Sanjay Khan	DEO	APHC- Dolbazza, Naugachhiya	8538979198
10	Md.Bahab	DEO	APHC Nougachhiya	9934286822 8340441867
11	Sunil Kumar Pandit	DEO	APHC - Khabaspur,Pirpainti	8405956234
12	Sharda Prasad	DEO	PHC Pirpainti	7766969288
13	Shankar Tahakur	DEO	APHC Gopalpur	8051375604
14	Sudhanshu Ranjan	DEO	De-Addiction Centre Bhagalpur	9934771245
15	Neeraj Mishra	DEO	PHC Ismailpur	8677934799
16	Milan Kumar Mishra	DEO	APHC-Karhariya, Sultanganj	7549995651
17	Rahul Kumar	DEO	SNCU Hospital Bhagalpur	8051676001
18	Manohar Sagar	DEO	SDH Naugachhia	7079659954
19	Abhishek Kumar	DEO	DHS Bhagalpur	8002875411 7991122629
20	Amarjeet Kumar	DEO	DHS - Bhagalpur	6206171231
21	Shravan Kumar Tanti	DEO	RPMU Bhagalpur	7545087754
22	Rupesh Kumar Dubey	DEO	RPMU Bhagalpur	9570262913
23	Robin Rastogi	DEO	PHC - Bihpur,Bhagalpur	9430012524
24	Monika Kumari	DEO	PHC - Kahalgaon	8271245538

DATA CENTRE EMPLOYEE IN DISTRICT - VAISHALI

SL. No.	Name of Staff	Post	Posting Place	Contect No.
1	Akshay Kumar	DEO	PHC - Rajapakar	7782864408
2	Subodh Ram	DEO	APHC Chaksikandar Rajapakar	9661445610 9065448198
3	Dinesh Kumar	DEO	PHC Bidupur	6207931917
4	Himanshu Kumar Swaraj	DEO	PHC Jandaha	9525060123
5	Sundarjeet Kumar	DEO	APHC Nasaratpur sondho	7352309068
6	Rahul Kumar Choudhary	DEO	PHC Sadar Block	7070238115 9470079635

7	Rahul Raj	DEO	APHC Chandsarai, Mahua	6206000704 7070327710
8	Vikash Kumar	DEO	APHC Bhagawanpur	6201027915
9	Rajesh Kumar	DEO	N.D.C. Vaishali	7277338942
10	Naveen Kumar	DEO	PHC Raghopur	9431296794
11	Sunil Kumar	DEO	APHC Beligaon	9608685480
12	Sharvan Kumar	DEO	PHC- Mahnar	9525794613
13	Ruby Kumari	DEO	APHC Karnouti,Mahnar	7654429501
14	Shivam Kumar	DEO	Refferal Hospital Lalganj	9955692220
15	Sulekha Kumari	DEO	SNCU Vaishali	8578917667
16	Shahin Sultana	DEO	Distt.V.B.D.C,Vaishali	8539893834 8579887326
17	Tarakant Kumar	DEO	PHC Vaishali	8051618326
18	Varun Kumar	DEO	SDH - Mahua	9931759515
19	Abhijeet Prakash	DEO	PHC Patedhi Belsar, Vaishali	9430605359
20	Raj Kumar Rajak	DEO	PHC-Raghopur,Vaishali	8873053035
21	Avinash Kumar Chandra	DEO	PHC- Jandaha,Vaishali	8409650962

DATA CENTRE EMPLOYEE IN DISTRICT - LAKHISARAI

SL. No.	Name of Staff	Post	Posting Place	Contect No.
1	Rohit Kumar	DEO	PHC Surajgarha	8789013352
2	Neha Kumari	DEO	DHS Lakhisarai	7481004446
3	Sharda Kumari	DEO	PHC- Barahiya	9798618842
4	Kumar Anurag	DEO	SNCU -Sadar hospital,Lakhisarai	8804774808
5	Neha Kumari	DEO	APHC - Pipariya	7070215304 6206169323
6	Sonu Kumar	DEO	APHC Ramgarh	9504444549
7	Somesh Kumar	DEO	Distt. Immunization-Sadar Hospital	6299196158 8083124748
8	Pradeep Kumar	DEO	PHC -Lakhisarai	9113145749
9	Deepak Kumar	DEO	De-Addiction Centre	9939408698
10	Sunil Kumar	DEO	DHS - Lakhisarai (Arogya Mitra)	6299365367

DATA CENTRE EMPLOYEE IN DISTRICT - MUNGER

1	Kumar Gaurav	DEO	RPMU, Munger	9939084513 8825140788
2	Sanjeev Kr. Singh	DEO	RPMU, Munger	9534260666

F. OLD AGE CARE

संस्था द्वारा वृद्ध व्यक्तियों के प्रति समाज एवं उनके परिवार द्वारा उदासीनता जिससे उनकी दशा काफी दयनीय हो गई है, को देखते हुए हमारी संस्था राजीव नगर पार्क, पटना में एक सभा आयोजित की जिसे हमारे संस्था के सचिव श्री रामकुमार सिन्हा जी ने संबोधित करते हुए बताया की हमारे समाज में जो वृद्ध व्यक्ति हैं, वे हमारी जिम्मेदारी है। उनके पास जो अनुभव है वह केवल उन्हीं के द्वारा हमें प्राप्त होगा । हमें उनका सम्मान करना चाहिए तथा उनके प्रति आदर भाव रखनी चाहिए। जिससे हमारे नैतिक मूल्यों का उत्थान होगा। सभा में आए अन्य वृद्धों ने भी सभा को संबोधित करते हुए अपना अनुभव व्यक्त करते हुए बताया समाज में वृद्धों के प्रति सम्मान की भावना कम होती जा रही है , हमें अपने वृद्धों का उचित देखभाल तथा सम्मान करना चाहिए।

G. HIV-AIDS Awareness

एचआईवी के प्रति लोगों में फैले अज्ञानता को दूर करने हेतु भोजपुर जिले में एक सभा आयोजित कर लोगों को एचआईवी के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जो काफी हद तक लाभप्रद भी हुआ । सभा को संबोधित करते डॉ अरुण कुमार ने सभा मे आए व्यक्तियों की बताया एचआईवी छूने, साथ खाने-पीने से नहीं फैलता। उन्होंने बताया कि एचआईवी संक्रमण केवल चार कारणों से ही हो सकता है: -

1) **असुरक्षित यौन संबंध से**
2) **असुरक्षित संक्रमित रक्त चढ़ाने से**
3) **संक्रमित मां से उसके बच्चे को**
4) **संक्रमित सुई/उपकरणों का उपयोग करने से**

एचआईवी एक जानलेवा बीमारी है किंतु समय रहते अगर पता चले तो इसका संपूर्ण उपचार उपलब्ध है ।आज कि तारीख में एचआईवी से संक्रमित व्यक्तिय अपना उपचार करा कर स्वस्थ जीवन जी रहे हैं।

H. Skill Development Training

हमारी संस्था मानती है कि व्यक्ति के अंदर अगर हुनर है तो वह अपना जीवन-यापन ससम्मान व्यतीत कर सकता है।उनके हुनर को बढ़ाने हेतु समय-समय पर हमारी संस्था द्वारा अनेकों प्रोग्राम चलाए जाते रहे हैं। हमारी संस्था इस वित्तीय वर्ष भी स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में अपना योगदान देते हुए ग्रामीण महिलाओं को

कंप्यूटर लिटरेसी तथा कंप्यूटर अकाउंटेंसी के बारे में बताया। हमारी संस्था नुक्कड़ सभाएं आयोजित कर स्किल डेवलपमेंट के प्रचार प्रसार पर कार्यरत रही।

I. Environmental Awareness

पर्यावरण के प्रति सभी व्यक्तियों को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। हमारी संस्था भी इस दिशा में कार्यरत है, हमारी संस्था द्वारा बैरिया, संपतचक तथा इसके निकटवर्ती क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्यक्रम को संपादित किया , लोगों को पेड़ लगाने के प्रति जागरूक किया तथा पर्यावरण के प्रति उनकी कर्तव्य को बताया ।

J. Seminar On Child Labour

हमारी संस्था बाल मजदूरी को समाज का एक अभिशाप मानती है। हमारी संस्था का संकल्प है कि समाज में एक भी बाल मजदूर ना रहे, बच्चों को उनका बचपन जीने का अधिकार है, और हम यह अधिकार उन्हें दिला कर रहेंगे। इसी दिशा में बांका में हमारी संस्था द्वारा आयोजित सभा को हमारे संस्था द्वारा संचालित विमुक्त बाल श्रमिक हेतु विशेष आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के कोऑर्डिनेटर ने संबोधित किया और यह बताया की हमें बाल मजदूरी के खिलाफ एकजुट होकर कार्य करना है तथा समाज में व्यक्त बाल मजदूरी को संपूर्ण रूप से हटा हटाना है।

K. Disabled Welfare Program

समाज में विकलांगों के प्रति उदासीनता को दूर करने हेतु तथा विकलांगों को समाज के मुख्यधारा में लाने हेतु हमारी संस्था पटना के कंकड़बाग एरिया में सभा आयोजित कर बताया कि विकलांग व्यक्तियों की भी उतनी ही आवश्यकता है समाज को जितने अन्य व्यक्तियों की। यह भी हमारे ही समाज का एक अंग है , और समाज को एक शरीर मानते हुए यदि एक उंगली में चोट आए तो वह चोट केवल एक उंगली का ही नहीं बल्कि उसके परिणाम स्वरूप पूरे शरीर में पीड़ा होती है। इसी तरह अगर समाज में विकलांगों के प्रति हमारी उदासीनता होगी तो हमारा समाज भी समृद्ध नहीं बन पाएगा।

वित्तीय अंकेक्षण

संस्था की वार्षिक आम सभा तथा संस्था की कार्यकारिणी समिति की सभा में यह निर्णय लिया गया है कि सृष्टि इंटरनेशनल के द्वारा 2018-19 के वित्तीय वर्ष के आय-व्यय का अंकेक्षण श्री रविशंकर कुमार (चार्टर्ड अकाउंटेंट), PARTNER, Mem. No. 407910, At #407, Hariom Commercial complex, New Dakbunglow Road, Patna-800001. रविशंकर कुमार एंड कंपनी से कराया जाए।

सधन्यवाद,
रामकुमार सिन्हा
सचिव,
सृष्टि इंटरनेशनल, पटना